अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह धराया, 36 बाइक जब्त

▶ मुख्य आरोपी पर पहले से दर्ज हैं 46 केस

नव भारत न्यूज

इंदौर. संयोगितागंज पुलिस ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 25 लाख रुपए कीमत की 36 मोटरसाइकिल बरामद की हैं.

डीसीपी राजेश व्यास ने बताया कि शहर में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर जोन 3 पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है, जिसमें एडीसीपी रामखेही मिश्रा और एसीपी तुषार सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी केपीएस यादव ने टीम गठित कर कार्रवाई की. टीम को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गुरुवारिया हाट के पास घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को पकड़ा. आरोपियों की पहचान अनवर उर्फ अन्नू शाह उम्र 50 साल निवासी मुडला बारोल, जीवन वर्मा उम्र 24 साल निवासी वीरम पिपलिया और विशाल खरे उम्र 20 साल निवासी मंडावर, जिला राजगढ़ के रूप में हुई है. इनके पास से प्रारंभ में तीन बाइक मिलीं.

पूछताछ में आरोपियों ने इंदौर, भोपाल, महू, पीथमपुर सहित महाराष्ट्र के कई शहरों से वाहन चोरी करना कबूल किया. मुख्य आरोपी अनवर चोरी के वाहन अपने साथियों को बेच देता था, जो उन्हें राजगढ़ जिले के अलग अलग गांवों में छिपाकर रखते थे. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर राजगढ़ जिले के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 36 मोटरसाइकिल जब्त कीं. इनमें अनवर से 20, जीवन से 10 और विशाल से 6 बाइक बरामद हुई हैं. डीसीपी का कहना है कि मुख्य आरोपी अनवर उर्फ अन्नू शाह के खिलाफ मध्यप्रदेश के अलग अलग जिलों में पहले से 46 मामले दर्ज हैं. फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है.

ऐसे चलता था बाइक चोरी का अंतरराज्यीय नेटवर्क

डीसीपी की पूछताछ में यह भी पता चला कि इंदौर समेत कई शहरों में बाइक चोरी कर आरोपी सुनियोजित तरीके से नेटवर्क चलाते थे. मुख्य आरोपी अनवर उर्फ अन्नू शाह पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है, उसने दो युवकों को साथ लेकर गिरोह खड़ा कर लिया. गिरोह का तरीका यह था कि भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजारों से बाइक चोरी की जाती थी. इसके बाद चोरी के वाहन सीधे राजगढ़ जिले के गांवों में ले जाकर छिपा दिए जाते थे, ताकि पुलिस की पकड़ से दूर रहें. अनवर चोरी के वाहन अपने साथियों जीवन वर्मा और विशाल खरे को बेच देता था, जो उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बेच देते थे. पूछताछ में यह भी सामने आया है कि गिरोह इंदौर के अलावा भोपाल, महू, पीथमपुर और महाराष्ट्र के शहरों में भी वारदात को अंजाम देता था. लंबे समय से सक्रिय इस गिरोह ने बड़ी संख्या में बाइक चोरी कर जमा कर रखी थीं, जिन्हें धीरे धीरे बेचने की योजना थी.

वीसी के जरिए की जेल में बंद नकबजन की पहचान

▶ 6 माह तक कोर्ट में पेश नहीं हुआ आरोपी

इंदौर. नकबजनी के एक मामले में सेंट्रल जेल में बंद आरोपी की पहचान फरियादी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए कर ली। आरोपी संदीप उर्फ अंबौरे पर शहर में आधा दर्जन केस दर्ज हैं, लेकिन पहली बार उसके खिलाफ किसी मामले में गवाही शुरू हुई है.

छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में 25 अप्रैल 2025 को हुई वारदात में आरोपी ने सूने घर को निशाना बनाकर लोहे की चादर हटाकर अंदर घुसा और अलमारी में रखे 30 हजार रुपए व आधार कार्ड चुरा लिए थे. घटना के दौरान आरोपी सीसीटीवी में कैद हुआ था, जिसके आधार पर पुलिस ने 3 मई 2025 को उसे गिरफ्तार किया था. मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट वरुण चौहान की अदालत में गवाही शुरू हुई. पहचान के दौरान सहायक लोक अभियोजन अधिकारी ईसू यादव के आवेदन पर कोर्ट ने सेंट्रल जेल से वीसी के जरिए शिनाख्ती कराई. समान कद काठी के चार लोगों के बीच खड़े आरोपी को फरियादी ने पहचान लिया.बताया जा रहा है कि जमानत पर छूटने के बाद आरोपी करीब 6 महीने तक बिना कारण कोर्ट में पेश नहीं हुआ, जिसके चलते उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था. बाद में रावजी बाजार पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर उसे प्रोडक्शन वारंट पर कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद इस केस में सुनवाई शुरू हो सकी है. अगली सुनवाई 22 अप्रैल को तय की गई है.

कई मामलों में गवाही बाकी: सूत्रों के मुताबिक आरोपी दिनदहाड़े नकबजनी करने का आदी है. उसके खिलाफ एमजी रोड, जूनी इंदौर समेत शहर के अलग-अलग थानों में करीब आधा दर्जन केस दर्ज हैं. कई मामलों में अब तक गवाही शुरू नहीं हो सकी है, क्योंकि आरोपी लंबे समय तक फरार रहा.

जमानत के बाद फिर की वारदात...

खास बात यह है कि जमानत पर छूटने के बाद आरोपी ने रावजी बाजार थाना क्षेत्र में एक और नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया. इस केस में उसकी जमानत अर्जी यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि वह आदतन अपराधी है और उस पर कई मामले दर्ज हैं, तब से वह जेल में ही बंद है.

एक नजर में

डाबी सेन समाज के पुन : अध्यक्ष, शर्मा उपाध्यक्ष

सांवेर. सेन समाज सांवेर की साधारण वार्षिक बैठक हुई, जिसमें समाज के आराध्य सेन जी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाने की रूपरेखा बनाई गई. इस अवसर पर समाज के चुनाव भी संपन्न हुए, जिसमें वर्तमान अध्यक्ष पवन डाबी को लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया. मनोज शर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया. डाबी और शर्मा का सभी ने पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया. इस अवसर पर सेन समाज के वरिष्ठ बाबूलाल शर्मा, कैलाश वर्मा, प्रेमस्वरूप शर्मा, बाबूलाल सत्संगी, लालबहादुर शर्मा, राधेश्याम भाटिया, रमेशचंद्र सिसोदिया, बाबूलाल केलवा, गेंदालाल वर्मा, गोविंद केलवा, अजबसिंह वर्मा, अरुण डाबी, सुभाष भाटिया, शेखर भाटिया, शंकर वाघेला, संजय भाटिया, ओम सेन, डॉ. कान्हा गोयल, संजय शर्मा, पवन वर्मा, कुलदीप भाटिया, राम वर्मा, गौरव सेन, गणेश सेन, सुनील वर्मा सहित अनेक समाजजन मौजूद थे. सभी ने पवन डाबी एवं मनोज शर्मा को बधाई दी.

24 से अधिक पत्रकारों को सौंपा 10-10 लाख का सुरक्षा कवच

महू. महू प्रेस क्लब द्वारा भारतीय डाक विभाग के सहयोग से दो दिवसीय आधार संशोधन एवं बीमा कैंप का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया. कैंप में पत्रकारों, उनके परिजनों एवं स्कूली विद्यार्थियों के आधार संबंधी त्रुटियों का तत्काल निराकरण किया जा रहा है. प्रेस क्लब अध्यक्ष राधे कौशल ने बताया कि शिविर की खास बात यह रही कि महू प्रेस क्लब ने पत्रकारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें 10-10 लाख रुपए की इंश्योरेंस पॉलिसी प्रदान की. पहले दिन ही 24 से अधिक पत्रकारों को यह बीमा कवर सौंपा गया. प्रेस क्लब की इस पहल को पत्रकारों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे उन्हें भविष्य की आर्थिक सुरक्षा मिलेगी. कैंप के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दिनेश सोलंकी, एसके तिवारी, अरुण सोलंकी, प्रेस क्लब अध्यक्ष राधे कौशल, महासचिव अंकित राठौड़, गब्बू जैन, डॉ. राजेश जौहरी, आकाश राठौर, टोनी महेश शर्मा, विजय प्रजापति, सुनील काले, योगेश धनोतिया, राजेश शर्मा, हर्षल गहलोत, अनुज माहेश्वरी, भारत ढोली, राजकुमार सैनी, अंजित मोनू बॉथम, लोकेश राठौर, विमल दुबे, अंकित नीम, अमित जोशी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे. प्रेस क्लब महासचिव अंकित राठौड़ ने बताया कि कैंप के दूसरे दिन शनिवार को भी आधार संशोधन के साथ-साथ शेष पत्रकारों को बीमा पॉलिसी प्रदान की जाएगी.

आइडिया हैकाथॉन में मिला 45 लाख का अनुदान

इंदौर. मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज इंदौर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन 5.0 के तहत 45 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया है. इससे पहले, संस्थान ने हैकाथॉन के 4.0 यूथ एडिशन में भी सफलता हासिल की थी, जहां दो छात्र परियोजनाओं को 30 लाख रुपये की सहायता मिली थी. एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन 5.0 एक राष्ट्रीय पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और उद्यमियों को उनके विचारों को व्यवहारिक व्यवसाय मॉडल में बदलने में सहायता प्रदान करना है. इस संस्करण में हरित ऊर्जा, इंडस्ट्री 4.0 और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है. इस उपलब्धि में छात्रों शेयरिन डीकुन्हा, रुद्राक्ष उपाध्याय और श्रेया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके नवाचारी कार्यों ने संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई. इससे पहले अभिनव पांडे और मोहन महेश्वरी ने 4.0 संस्करण में सफलता प्राप्त की थी. संस्थान की प्रमुख डॉ. सपना मालवीय और अंकुर जोशी के मार्गदर्शन में इस शोध और नवाचार को बढ़ावा मिला. तकनीकी और शैक्षणिक सहयोग डॉ. अशोक कोष्टा, डॉ. नीतेश के जैन, डॉ. अनामिका सिंह, पूर्वा खेमानी और संजना चौरसिया द्वारा प्रदान किया गया. संस्थान ने एमएसएमई डीएफओ इंदौर के सहायक निदेशक गौरव गोयल और चेयरमैन डॉ. अनिल खरिया के सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया है.

महू जनपद पंचायत की उपयंत्री को 15 हजार की घूस लेते पकड़ा

▶ सीसी रोड की माप पुस्तक में एंट्री के बदले मांगी थी रिश्वत

नव भारत न्यूज

इंदौर. लोकायुक्त इंदौर की टीम ने महू जनपद पंचायत की उपयंत्री सावित्री मुवेल को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है. कार्रवाई शुक्रवार को ट्रैप डालकर की गई.

निरीक्षक श्रीमती रेनू अग्रवाल ने बताया कि ग्राम पंचायत यशवंत नगर के सचिव रमेशचंद्र चौहान ने शिकायत की थी कि पंचायत में 15वें वित्त आयोग से स्वीकृत 4.52 लाख रुपए के सीसी रोड निर्माण कार्य का भौतिक सत्यापन और माप पुस्तिका में मूल्यांकन दर्ज करने के बदले उपयंत्री सावित्री मुवेल 15 हजार रुपए की मांग कर रही थीं. शिकायत का सत्यापन कराने के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप प्लान किया. तय योजना के तहत शुक्रवार को आरोपी उपयंत्री को आवेदक से 15 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया. आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

तेंदुआ दिखने की सूचना पर वन विभाग अलर्ट, रेस्क्यू टीम रवाना

▶ सर्च ऑपरेशन किया शुरु, वीडियो और साक्ष्यों की कर रहे जांच : रेंजर

नव भारत न्यूज

इंदौर. सिलोटिया और सुल्लारखेड़ी के साथ ही आसपास के गांवों में तेंदुआ दिखने की सूचना के बाद वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना कर दी है. गुरुवार रात ग्रामीणों ने खेत में घूमते वन्यजीव का वीडियो बनाकर विभाग को भेजा, जिसके आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है. वन परिक्षेत्र रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि ग्रामीणों से मिले वीडियो और पंजों के निशानों की जांच की जा रही है. प्रारंभिक स्तर पर कुछ साक्ष्य लकड़बग्घा होने की ओर इशारा कर रहे थे, लेकिन ताजा वीडियो सामने आने के बाद तेंदुए की मौजूदगी से भी इनकार नहीं किया जा सकता. इसी को ध्यान में रखते हुए टीम को गांव में भेजा है. रेंजर ठाकुर के मुताबिक, टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर क्षेत्र में सघन सर्चिंग कर रही है और वन्यजीव की सटीक पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं. विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है.

ग्रामीणों से सतर्क रहने और रात में अकेले खेतों में न जाने की अपील

ग्रामीणों ने पिछले कुछ दिनों से खेतों में मूवमेंट और पंजों के निशान मिलने की जानकारी दी थी. वन विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए पहले भी निगरानी बढ़ाई थी और अब वीडियो मिलने के बाद कार्रवाई और तेज कर दी गई है. वहीं ठाकुर ने यह भी बताया कि विभाग की तरफ से ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, रात में अकेले खेतों की ओर न जाएं और किसी भी वन्यजीव की सूचना तत्काल विभाग को दें. विभाग ने भरोसा दिलाया है कि सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं.

अलग-अलग चार लोगों से 43.80 लाख रुपए ऑनलाइन ठगे

▶ निवेश, सप्लाई और ऐप के नाम पर लाखों की चपत
▶ केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में ऑनलाइन ठगी के अलग अलग मामलों में पुलिस ने चार केस दर्ज किए हैं. निवेश, माल सप्लाई और फर्जी ऐप के जरिए ठगों ने लोगों से लाखों रुपए हड़प लिए.

संयोगितागंज थाना क्षेत्र में यश सिलावट निवासी श्रीनंदानंद मार्ग से आशीष चौधरी ने ड्रीम व्यूअर कंपनी में निवेश के नाम पर करीब 36 लाख रुपए ऐंठ लिए. आरोपी ने हर महीने 4 लाख रुपए मुनाफा देने का झांसा दिया था. रकम ट्रांसफर होने के बाद आरोपी और उसके साथी गायब हो गए. शिकायत पर पुलिस ने आशीष और अन्य खाताधारकों के खिलाफ केस दर्ज किया है. वहीं कनाड़िया थाना क्षेत्र में नमन जैन निवासी शिवशक्ति नगर से गणेश (निवासी खेतवाड़ी, मुंबई) ने रेड बुल एनर्जी ड्रिंक सप्लाई के नाम पर करीब 2.97 लाख रुपए ठग लिए. आरोपी ने ऑनलाइन पेमेंट लेने के बाद फर्जी बिल्टी भेजी और माल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उठवा लिया. बाद में फोन बंद कर लिया.

इसी तरह लसूड़िया थाना क्षेत्र में कृषि व्यापारी पारस देसाई के खाते से 4.37 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए निकाल लिए गए. पीड़ित को किसी तरह का अलर्ट मैसेज नहीं मिला. बैंक स्टेटमेंट में रकम गूगल डिजिटल और प्ले स्टोर गेम्स के माध्यम से डेबिट होना सामने आया. शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में राहुल पाटीदार के साथ 46 हजार रुपए की ठगी हुई. टोल टैक्स पेमेंट के दौरान गलती सुधारने के लिए उसने कस्टमर केयर पर कॉल किया, जहां से उसे एक एपीके फाइल भेजी गई. फाइल डाउनलोड करते ही उसके खाते से रुपए कट गए. पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है.

महिला आरक्षक ने फांसी लगाई, गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती

इंदौर. सदर बाजार थाना क्षेत्र में फर्स्ट बटालियन परिसर में रहने वाली एक महिला आरक्षक ने आत्महत्या का प्रयास किया. गुरुवार रात वह अपने फ्लैट में फंदे पर लटकी मिली. समय रहते परिजनों ने देख लिया और उसे नीचे उतारकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. थाना प्रभारी पीएल शर्मा ने बताया कि महिला आरक्षक रुचि अपने पति पंकज के साथ फर्स्ट बटालियन परिसर स्थित क्वार्टर में रहती है. रात करीब 11 बजे गोकुलदास अस्पताल से घटना की सूचना सदर बाजार पुलिस को मिली. फिलहाल रुचि आईसीयू में भर्ती है और बयान देने की स्थिति में नहीं है. बताया जा रहा है कि रुचि के पति पंकज क्राइम ब्रांच में पदस्थ हैं. दोनों ने लव मैरिज की थी और उनके एक बेटा व एक बेटी है. फिलहाल आत्महत्या के प्रयास के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला के बयान के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी.

किराए पर लेकर 18.85 लाख की मशीनरी और वाहन हड़पे

▶ दो आरोपियों पर धोखाधड़ी का केस

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया पुलिस ने मशीनरी और वाहन किराए पर लेकर वापस नहीं करने के मामले में दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है. आरोपियों पर करीब 18.85 लाख रुपए कीमत का सामान हड़पने का आरोप है.

थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी ने बताया कि महालक्ष्मी नगर निवासी अनिरुद्ध डेहरिया ने शिकायत दर्ज कराई है कि अप्रैल 2023 में उसका प्रवीण कुमार होता (निवासी जटनी, ओडिशा) और एनिक कुमार सरकार (निवासी वेस्ट बंगाल) से एग्रीमेंट हुआ था. इसके तहत एचडीडी मशीन, कंटेनर, ट्रैक्टर-ट्रॉली, टैंकर सहित अन्य मशीनरी किराए पर दी गई थी. काम सिलीगुड़ी में केबल डालने का बताया था. कुछ समय बाद आरोपियों ने बताया कि काम भुवनेश्वर शिफ्ट हो गया है और मशीनें वहां भेज दी गई हैं. जब अनिरुद्ध भुवनेश्वर पहुंचा तो पता चला कि ट्रैक्टर ट्रॉली, 20 रॉड और 8 बेंड खराब हालत में सिलीगुड़ी में ही छोड़ दिए हैं.

आरोपी तीन साल से कर रहे टालमटोल

इसके बाद पीड़ित लगातार आरोपियों से संपर्क करता रहा, लेकिन करीब सात महीने तक उसे सामान की सही जानकारी नहीं दी गई. बाद में जब नुकसान की भरपाई की बात की गई तो आरोपियों ने धमकाना शुरू कर दिया. पीड़ित के मुताबिक पिछले तीन साल से वह फोन और मैसेज के जरिए संपर्क कर रहा है, लेकिन आरोपी न तो सामान लौटा रहे हैं और न ही रुपए दे रहे हैं. लसूड़िया पुलिस ने जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

सीडीआर सौदे की जांच शुरू : क्राइम ब्रांच के दो जवानों से एटीएस ने की पूछताछ

▶ नोटिस पर बुलाकर पूछे सवाल, फिलहाल छोड़ा, आगे फिर बुलाए जा सकते हैं

नव भारत न्यूज

इंदौर. कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के कथित सौदे से जुड़े मामले में एटीएस ने जांच शुरू कर दी है. इसी के चलते क्राइम ब्रांच के दो पुलिसकर्मियों से पूछताछ की गई. दोनों को नोटिस देकर तलब किया था. पूछताछ के बाद फिलहाल उन्हें छोड़ दिया है, लेकिन जांच एजेंसी ने जरूरत पड़ने पर दोबारा बुलाने के संकेत दिए हैं.

सूत्रों के अनुसार, एक निजी डिटेक्टिव एजेंसी की जांच के दौरान कुछ मोबाइल नंबर संदिग्ध पाए गए थे. इन नंबरों की कड़ियां खंगालने पर एएसआई राम और आरक्षक रविंद्र का नाम सामने आया. इसी आधार पर एटीएस ने दोनों से संपर्क कर बयान लिए. बताया जा रहा है कि नोटिस के बावजूद समय पर पेश नहीं होने पर कर्नाटक एटीएस की टीम इंदौर पहुंची. गुरुवार शाम आरक्षक रविंद्र से पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे जाने दिया. वहीं, एएसआई राम किसी अन्य कार्य से बाहर होने के कारण शुक्रवार को भोपाल स्थित एटीएस मुख्यालय में पेश होंगे.

प्रारंभिक पड़ताल में यह बात सामने आई है कि दोनों का संपर्क डिटेक्टिव एजेंसी संचालक मुकेश तोमर से रहा है. जांच एजेंसियां इस एंगल पर काम कर रही हैं कि क्या आम लोगों की सीडीआर पैसे लेकर साझा की जा रही थी. क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह नियमित पूछताछ का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि संबंधित पुलिसकर्मी पहले भी इसी प्रकरण में जांच कर चुके हैं, इसलिए उनके नंबर संदिग्धों के मोबाइल में मिले हैं. अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच जारी है.

एक नजर में

सफाईकर्मियों की लापरवाही से शहर के स्वच्छता में नंबर वन होने के दावों पर उठ रहे सवाल

सफाईकर्मी नदारत, घर के सामने सड़क पर खुद झाड़ू लगाने को मजबूर हैं लोग

इंदौर. नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण शहर के स्वच्छता में नंबर वन होने के दावों पर सवाल उठ रहे हैं. जमीनी हकीकत में कई क्षेत्रों में सफाईकर्मियों की अनुपस्थिति और गंदगी के ढेर शहर की छवि को धूमिल कर रहे हैं, जबकि निगम द्वारा सफाईकर्मियों को पूरा वेतन दिया जा रहा है.

शहर के वार्ड 85 (फूटी कोठी, द्वारकापुरी, राम गली) में सफाई व्यवस्था ठप होने से निवासियों का जीना मुहाल है. सफाई कर्मचारी नियमित नहीं आ रहे हैं, गंदगी के ढेर से बीमारियां फैलने का खतरा है. निवासियों को स्वयं सफाई करनी पड़ रही है. बार-बार शिकायत के बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है. रहवासियों के अनुसार, सफाईकर्मी समय पर नहीं आते और अगर कभी आते भी हैं तो जानबूझकर कुछ क्षेत्र छोड़ देते हैं. कचरे के ढेरों के कारण मच्छर-मक्खियों का प्रकोप और गंदगी बढ़ रही है. शिकायत करने पर भी सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है, न ही कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जा रही है.

यह बोले रहवासी...

सफाई कर्मी आते नहीं हैं, अगर आ भी गए तो सड़क का हिस्सा छोड़ देते हैं, जिससे कचरता वहीं पड़ा रहता है. जिसके घर के आगे गंदगी रहती है, मजबूरन उसे ही सड़क पर झाड़ू लगाना पड़ती है.
– रानी अजमेर

त्योहारों के अलावा हर महीने बीस से पचास रुपए भी हम सफाईकर्मियों को इनाम देते हैं, फिर भी वह ईमानदारी से अपना कार्य नहीं करते. कहने के बावजूद वह सुनते ही नहीं, अब किसको बोलें.
– सोना बाई

कचरा गाड़ी नियमित तो आती है, लेकिन सफाई कर्मी तो कई-कई दिन तक गायब रहते हैं, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता खत्म हो रही है. सफाई कर्मियों की लापरवाही को अधिकारियों को संज्ञान में लेना चाहिए.
– प्रियंका साहू